पवन-दूतिका

1 पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर

एक पद्यांश से बनने वाले अनेक प्रश्नों का हल। परीक्षा को दृष्टि में रखकर बहुत अधिक महत्वपूर्ण पद्यांश ही रखे गए हैं, परीक्षार्थी इन्हें तैयार अवश्य कर लें-

(1) बैठी खिन्ना यक दिवस वे गेह में थीं अकेली।
आके आँसू दृग-युगल में थे धरा को भिगोते।
आई धीरे इस सदन में पुष्प-सद्गंध को ले।
प्रातः वाली सुपवन इसी काल वातायनों से।।
संतापों को विपुल बढ़ता देख के दुःखिता हो।
धीरे बोली स-दुख उससे श्रीमती राधिका यों।
प्यारी प्रातः पवन इतना क्यों मुझे है सताती।
क्या तू भी है कलुषित हुई काल की क्रूरता से।।

www.gyansindhuclasses.com

प्रश्नोत्तर-

1. **उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।**
उत्तर- प्रस्तुत पद्यांश **अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'** द्वारा रचित महाकाव्य **'प्रियप्रवास'** से हमारी पाठ्य-पुस्तक में संकलित **'पवन-दूतिका'** शीर्षक से उद्धृत है।
2. **राधा ने प्रातःकालीन वायु से दुःखित होकर क्या कहा?**
उत्तर- राधा ने कहा- मुझे इस प्रकार क्यों सता रही हो? क्या तुम भी समय की कठोरता से दूषित हो गई हो? क्या तुम पर भी समय की क्रूरता का प्रभाव पड़ गया है।
3. **उपर्युक्त पद्यांश में किस प्रसंग का चित्रण हुआ है?**
उत्तर- प्रस्तुत पद्यांश में राधा की मनोदशा का भावपूर्ण चित्रण किया गया है।
4. **इस पद्यांश में कौन-सा छन्द है?**
उत्तर- प्रस्तुत पद्यांश में 'मन्दाक्रान्ता' छन्द है।
5. **पद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।**
उत्तर- रेखांकित अंश की व्याख्या- राधा दुःखित होकर कहती है कि हे प्रातःकालीन पवन! तू क्यों मुझे इस प्रकार सता रही है? क्या तू भी समय की कठोरता के कारण कलुषित विचारों वाली हो गई है? क्या तुझ पर भी समय की क्रूरता का प्रभाव पड़ गया है?
6. **प्रस्तुत पंक्तियों में राधिका किससे बातें कर रही है?**
उत्तर- प्रस्तुत पंक्तियों में राधिका पवन से बातें कर रही है।
7. **प्रातः कालीन पवन किस मार्ग से राधिका जी के घर के अंदर आ रही है?**
उत्तर- प्रातः कालीन पवन खिड़की द्वारा राधिका जी के घर के अंदर आ रही है।
8. **काव्यांश में कौन-सा अलंकार है?**
उत्तर- काव्यांश में अनुप्रास अलंकार है।
9. **श्रीमती राधिका पवन से क्या कहती हैं?**
उत्तर- श्रीमती राधिका पवन से कहती है कि हे प्यारी प्रातः वाली सुपवन तू मुझे इतना क्यों सताती है, क्या तू भी काल की क्रूरता से कलुषित हुई है।
10. **'दृग-युगल' का अर्थ लिखिए?**
उत्तर- 'दृग-युगल' का अर्थ- दोनों नेत्र।
11. **काव्यांश में उल्लिखित रस का नाम लिखिए।**

www.gyansindhuclasses.com

उत्तर- काव्यांश में उल्लिखित **रस**- विप्रलंभ (वियोग) श्रृंगार रस है।

12. **घर में दुःखी होकर अकेले कौन बैठी है?**

उत्तर- राधिका जी घर में दुखी होकर बैठी हैं।

(2) **लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।**
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को।।
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।
होंठों की औ कमल-मुख की म्लानतायें मिटाना।।
कोई क्लान्ता कृषक-ललना खेत में जो दिखावे।
धीरे-धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना।।
जाता कोई जलद यदि हो व्योम में तो उसे ला।
छाया द्वारा सुखित करना, तप्त भूतांगना को।।

www.gyansindhuclasses.com

प्रश्नोत्तर-

1. **दिये गये पद्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।**

   उत्तर- उपर्युक्त।

2. **राधा पवन दूतिका से राह में पथिकों के साथ कैसा व्यवहार करने को कहती है?**

   उत्तर- राधा पवन-दूतिका से कह रही है कि यदि मार्ग में कोई लज्जाशील स्त्री दिखाई दे तो उसके वस्त्रों को मत उड़ाना, थकी हुई प्रतीत हो तो उसकी थकावट को दूर कर देना।

3. **इस पद्यांश में कवि ने किसका चित्रण किया है?**

   उत्तर- प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने एक ओर राधा की विरह व्यथा का चित्रण किया है तो दूसरी ओर उन्हें समाज की पीड़ा से भी व्याकुल दिखाया है।

4. **इस पद्यांश में कौन-सा अलंकार है?**

   उत्तर- प्रस्तुत पद्यांश में मानवीकरण, उपमा, अनुप्रास व रूपक अलंकार है।

5. **रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।**

   उत्तर- रेखांकित अंश की व्याख्या- राधा पवन को समझाती है कि तुझे मार्ग में ब्रजभूमि की अत्यन्त लज्जाशील महिलाएँ दिखाई देंगी। अतः तुझे उनका मान-सम्मान करते हुए ही आगे बढ़ना है तू कहीं अपनी चंचलता का प्रदर्शन करते हुए उनके वस्त्रों को उड़ाकर उनके कोमलांगों को अनावृत मत कर देना।

6. **राधा पवन को लज्जाशील स्त्री के सम्बन्ध में क्या समझाती है?**

   राधा पवन को लज्जाशील स्त्री के सम्बन्ध में यह समझाती है कि तुझे मार्ग में कोई लाजवंती स्त्री दिखाई दे तो उसके वस्त्र मत देना।

7. **राधा के अनुसार पवन थकी हुई स्त्री की थकावट कैसे दूर करेगी?**

   राधा पवन से कहती है कि यदि कोई थकी हुई स्त्री दिखाई दे तो उसके निकट जाकर उसकी थकावट को स्पर्श करके दूर करना।

8. **कमल-मुख में कौन-सा अलंकार है?**

   रूपक अलंकार।

9. **राधा पवन को क्लांत व्यक्ति के सम्बन्ध में क्या बताती है?**

   राधा पवन को क्लांत व्यक्ति के सम्बन्ध में यह बताती है कि यदि रास्ते में कोई थका हुआ व्यक्ति दिखाई दे तो उसकी थकावट को दूर करना।

10. **व्योम तथा भूतांगना का क्या अर्थ है?**

    व्योम- आकाश

    भूतांगना- गर्मी से तप्त किसान की स्त्री।

www.gyansindhuclasses.com

11. **राधा पवन से कृषक-स्त्री की क्या सहायता करने को कहती है?**

    राधा पवन से कृषक स्त्री की थकावट दूर करने को और आकाश में बदल लाकर उसकी छाया प्रदान कर प्रसन्न करने को कहती है।

12. **प्रतुत पंक्तियों में राधा को किस रूप में चित्रित किया गया है?**

    प्रतुत पंक्तियों में राधा को लोक कल्याणकारी रूप में चित्रित किया गया है।

(३) तू देखेगी जलद-तन को जा वहीं तद्गता हो ।
होंगे लोने नयन उनके ज्योति-उत्कीर्णकारी ।।
मुद्रा होगी वर बदन की मूर्ति-सी सौम्यता की ।
सीधे साधे वचन उनके सिक्त होंगे सुधा से ।।

प्रश्नोत्तर-

1. राधा पवन दूतिका को किसकी पहचान बता रही हैं?
उत्तर- राधा पवन दूतिका को श्रीकृष्ण की पहचान बता रही हैं।

2. प्रस्तुत पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग किया गया है?
www.gyansindhuclasses.com
उत्तर- 'जलद-तन' में रूपक अलंकार तथा 'सीधे-सादे-सिक्त' में अनुप्रास अलंकार है।

3. राधा ने कृष्ण की पहचान के लिए किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
उत्तर- राधा ने कृष्ण की पहचान के लिए निम्न विशेषताओं का उल्लेख किया है-
- मेघ के सामान शोभा वाले।
- मेघ के समान शरीर की श्यामलता लिए हुए
- नील कमल के समान मोहक।
- मूर्ति के समान सौम्य।

4. पद्यांश में राधा जी ने तद्गता किसे कहा है?
उत्तर- पवन को कहा है।

5. जलद- तन में कौन-सा अलंकार है?
उत्तर- 'जलद-तन' में रूपक अलंकार है।

6. जलद- तन किसका विशेषण है?
उत्तर- श्री कृष्ण का।

7. रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।
वीडियो में.....

(4) नीले फूले कमल दल-सी गात की श्यामता है।
पीला प्यारा वसन कटि में पैन्हते हैं फबीला ।।
छूटी काली अलक मुख की कान्ति को है बढ़ाती ।
सद्वस्त्रों में नवल तन की फूटती-सी प्रभा है ।
साँचे ढाला सकल वपु है दिव्य सौन्दर्यशाली।
सत्पुष्पों-सी सुरभि उसकी प्राण-सम्पोषिका है।
दोनों कन्धे वृषभ-वर-से हैं बड़े ही सजीले।
लम्बी बाँहें कलभ-कर-सी शक्ति की पेटिका हैं।
राजाओं-सा शिर पर लसा दिव्य आपीड़ होगा।
शोभा होगी उभय श्रुति में स्वर्ण के कुण्डलों की।
नाना रत्नाकलित भुज में केयूर होंगे।
मोतीमाला लसित उनका कम्बु सा कण्ठ होगा।

www.gyansindhuclasses.com

1. **उपर्युक्त पद्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।**
उत्तर- उपर्युक्त

2. **नायिका ने कृष्ण की क्या-क्या विशेषताएँ बतायी हैं?**
उत्तर- नायिका के अनुसार श्रीकृष्ण की निम्न विशेषताएँ हैं- १. देवताओं जैसी अलौकिक कान्ति २. सुगन्ध युक्त शरीर ३. साँड़ के समान कन्धों वाला, ४. हाथी के सूँड़ जैसी भुजाओं वाला।

3. **प्रस्तुत पद्यावतरण में नायिका ने किसे प्राण पोषिका के समान बताया है?**
उत्तर- प्रस्तुत पद्यावतरण में नायिका ने उत्तम पुष्प के सदृश श्रीकृष्ण के शरीर से निकलने वाली सुगन्ध को प्राण पोषिका के समान बताया है।
4. **प्रस्तुत कविता में किस छन्द का उल्लेख किया गया है?**
उत्तर- प्रस्तुत कविता में मन्दाक्रान्ता छन्द है।

5. **राधा पवन दूतिका को कृष्ण की क्या पहचान बता रही है?**
उ - राधा पवन दूतिका को कृष्ण की पहचान यह बताती है कि कृष्ण कटि में पीला वस्त्र धारण करते हैं और कमल के समान उनके शरीर की श्यामता है।
6. **श्रीकृष्ण अपनी कमर में कैसा वस्त्र धारण करते हैं?**
उत्तर - श्रीकृष्ण अपनी कमर में पीला वस्त्र धारण करते हैं।
7. **इस काव्यांश में कौन-सा अलंकार है?**
उत्तर - उपमा अलंकार।
8. **अलक, सकल, कलभ -कर, वृषभवर, सुरभि एवं कांति शब्दों के अर्थ लिखिए।**
उत्तर- **अलक-** बाल, **सकल-** सम्पूर्ण, **कलभ-कर-** हाथी की सूड, **वृषभवर-** श्रेष्ठ बैल, **सुरभि-** सुगंध।
9. **श्रीकृष्ण के शरीर की श्यामलता कैसी है?**
उत्तर- नीले फूले कमल दल के समान है।
10. **राधा पवन से कृष्ण को पहचानने का क्या उपाय बताती है?**
उत्तर- राधा पवन से कृष्ण को पहचानने का उपाय बताते हुए कहती है कि उनके शरीर की श्यामल छवि नीले कमल पुष्प के सदृश है और अपने शरीर पर अत्यन्त आकर्षक पीला सुन्दर वस्त्र अपनी कमर में धारण किये रहते हैं।
11. **'अलक' तथा 'सकल' शब्द का अर्थ लिखिए।**
उत्तर- **'अलक'** शब्द का अर्थ है- बालों की लट तथा **'सकल'** का अर्थ 'सम्पूर्ण या सारा' है।
12. **'कलभ-कर-सी' में कौन-सा अलंकार है?**
उत्तर- 'कलभ कर-सी' में उपमा अलंकार है।
13. **रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।**
उत्तर- प्रथम रेखांकित अंश की व्याख्या - श्रीकृष्ण के दोनों कन्धे श्रेष्ठ साँड़ के समान विशाल और बलिष्ठ हैं। उनकी भुजाएँ हाथी के सूँड़ के समान शक्ति की पिटारी हैं।
द्वितीय रेखांकित अंश की व्याख्या - राधा पवन दूतिका से कहती है उनके (श्रीकृष्ण के) सिर पर राजाओं के जैसा अलौकिक कान्तियुक्त मुकुट सुशोभित होगा। उसके दोनों कानों में तुझे सुन्दर स्वर्ण-कुण्डल शोभा बिखराते हम दृष्टिगोचर होंगे। वे अपनी दोनों भुजाओं में विभिन्न रत्नों से परिपूर्ण सुन्दर भुजबन्ध धारण किए मिलेंगे। इसके साथ हो उनकी शंख जैसी सुडौल गर्दन में मोतियों की माला शोभित होती दिखेगी।
14. **पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।**
उत्तर- प्रस्तुत पाठ का शीर्षक **'पवन-दूतिका'** और इसके रचनाकार (कवि) **अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'** हैं।

(5) कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पड़ा हो ।
तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को ।।
यों देना ऐ पवन बतला फूल-सी एक बाला ।
म्लाना हो हो कमल-पग को चूमना चाहती है ।।

प्रश्नोत्तर-
1. **राधिका जी दूतिका के रूप में किसे भेज रही है?**
उत्तर - राधिका जी दूतिका के रूप में पवन को भेज रही है।
2. **राधिका जी ने दूतिका से क्या करने को कहा है?**
उत्तर- घर में कोई सुन्दर मुरझाया हुआ फूल पडा हो तो उसे प्रेम के साथ उठाकर प्रियतम के चरणों में डालने को कहती है।
3. **कमल-पग में कौन सा अलंकार है?**
उत्तर- रूपक अलंकार।

www.gyansindhuclasses.com
www.gyansindhuclasses.com

4. **कुम्हला एवं म्लाना शब्दों का अर्थ लिखो?**
   उत्तर – कुम्हला एवं म्लाना-मुरझाया एवं मलिन/मुरझाया
5. **कमल पग को कौन चूमने की इच्छा प्रकट कर रही है?**
   उत्तर– राधिका जी।
6. **रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।**
   उत्तर-रेखांकित अंश की व्याख्या– राधा पवन से कहती है कि यदि उनके घर में कोई कुम्हलाया फूल पड़ा हो तो उनके चरणों में डालकर यह बताने की कृपा करना कि फूल जैसी एक सुकोमल बाला दुःखित होकर आपके चरणों को चूमना चाहती है।
7. **मुरझाए हुए पुष्प की उपमा किससे की गयी है?**
   उत्तर– मुरझाए हुए पुष्प की उपमा वियोग में दुःखी राधा से की गई है।
8. **श्रीकृष्ण के कमलवत् चरणों को कौन चूमना चाहती है?**
   उत्तर– कृष्ण के कमलवत् चरणों को अपरोक्ष रूप से राधा चूमना चाहती है।
9. **राधा पवन दूतिका से मुरझाए हुए पुष्प को कहाँ डाल देने के लिए कह रही है?**
   उत्तर– राधा पवन-दूतिका से मुरझाये हुए पुष्प को कृष्ण के चरणों में डाल देने को कह रही है।

www.gyansindhuclasses.com

(6) **यों प्यारे को विदित करके सर्व मेरी व्यथायें।**
धीरे धीरे वहन कर के पाँव की धूलि लाना।
थोड़ी सी भी चरण-रज जो ला न देगी हमें तू।
हा! कैसे तो व्यथित चित को बोध मैं दे सकूँगी।।
पूरी होवें न यदि तुझसे अन्य बातें हमारी।
तो तू मेरी विनय इतनी मान ले और चली जा।
छू के प्यारे कमल-पग को प्यार के साथ आ जा।
जी जाऊँगी हृदयतल में मैं तुझी को लगाके।।

प्रश्नोत्तर-

1. **राधिका क्यों पवन को अपने हृदय से लगाकर संतोष करने के लिए कह रही हैं?**
   उत्तर- राधिका इसलिए पवन को अपने हृदय से लगाकर संतोष करने के लिए कह रही है कि तुमसे अगर मेरी ये बातें पूरी न हो सके तो तू उनके चरण कमल को छूकर चली आना।
2. **राधिका किससे विनती कर रही है?**
   उत्तर– पवन से।
3. **इस पद्यांश में कौन सा अलंकार है?**
   उत्तर– रूपक, अनुप्रास।
4. **राधा किसे हृदयतल में लगा के जी जायेंगी?**
   उत्तर– श्रीकृष्ण के चरणों को स्पर्श की हुई पवन को।
5. **राधा पवन से क्या प्रार्थना करती है?**
   उत्तर– राधा पवन से प्रार्थना करते हुए कहती है कि मेरे विरह की सारी बातें कृष्ण से कहना और वापस आते समय उनकी चरण धूलि ला देना जिसे अपने माथे पर चढ़ाकर दुःखी मन को ढाढ़स बँधा सकूँ। यदि ये बातें पूर्ण न हो सकें तो मेरे प्रियतम के पास जाकर कमल रूपी पैरों को छूकर आ जाना। विरह में मृतप्राय तुझे अपने हृदय से लगाकर पुनः जीवन धारण कर लूँगी।
6. **इस पद्यांश में किस प्रसंग को व्यक्त किया गया है?**
   उत्तर– प्रस्तुत पद्यांश में राधिका की पवित्र और सच्ची प्रेम भावना को व्यक्त किया गया है।
7. **इस पद्याँश कौन-सा अलंकार है?**
   उत्तर- प्रस्तुत पद्यांश में पुनरुक्तिप्रकाश एवं मानवीकरण अलंकार है।
8. **रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।**

www.gyansindhuclasses.com

उत्तर- रेखांकित अंश की व्याख्या- राधा पवन से निवेदन करती है कि यदि तुम मेरे सन्देश को किसी भी रूप में श्रीकृष्ण तक न पहुँचा सको तो तुम मेरे उस प्राणप्रिय श्रीकृष्ण के कमलवत् रूपी चरणों का स्पर्श करके मेरे पास लौट आना। मैं तुझे अपने हृदय से लगाकर अपने प्रियतम के स्पर्श-सुख का अनुभव करके प्राण शक्ति धारण कर लूँ।

(7) जाते जाते अगर पथ में क्लान्त कोई दिखावे।
तो जा के सन्निकट उसकी क्लान्तियों को मिटाना।।
धीरे-धीरे परस करके गात उत्ताप खोना।
सद्गन्धों से श्रमित जन को हर्षितों सा बनाना।।

1. **राधिका पवन से मार्ग में किसके दुःख दूर करने के लिए कहा है?**
   उत्तर- राधिका पवन से मार्ग में थके हुए व्यक्ति की थकावट/दुःख को दूर करने के लिए कहा है।
2. **इस पद्यांश में राधिका जी को किस रूप में चित्रित किया गया है?**
   उत्तर- लोक कल्याणकारी रूप में
3. **काव्यांश में कौन-सा अलंकार है?**
   उत्तर- उपमा, संदेह व अनुप्रास।
4. **क्लान्ति एवं उत्ताप का अर्थ लिखो?**
   उत्तर- क्लान्ति- थकन/दुःख उत्ताप- ताप/गर्मी

(8) सूखी जाती मलिन लतिका जो धरा में पड़ी हो।
तो पाँवों के निकट उसको श्याम के ला गिराना।
यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचिता हो।
मेरा होना अति मलिन औ सूखते नित्य जाना।
कोई पत्ता नवल तरु का पीत जो हो रहा हो।
तो प्यारे के दृग युगल के सामने ला उसे ही।।
धीरे-धीरे सँभल रखना और उन्हें यों बताना।।
पीला होना प्रबल दुःख से प्रोषिता-सा हमारा।।

1. **राधा पवन से पृथ्वी पर पड़ी हुई लता को क्या करने के लिए कहती है?**
   उत्तर- श्रीकृष्ण के चरणों में लाकर रखने के लिए कहती है।
2. **सूखी लता से राधा कृष्ण को क्या सन्देश देना चाहती है?**
   उत्तर- सूखी लता से राधा कृष्ण को सन्देश देना चाहती है कि वह प्रेम से विरहित होकर किस प्रकार इस सूखी लता के समान दिन प्रति दिन सूखती व मलिन होती जा रही है।
3. **पीले पत्ते को श्रीकृष्ण के सामने लाने से राधा का क्या अभिप्राय है?**
   उत्तर -जिस प्रकार नवीन वृक्ष का कोपल पीला पड़ गया है, इसी प्रकार प्रोषित पतिका नायिका के समान प्रेम विरह में कोई बावली हो रही है।
4. **पोषिता -सा में कौन सा अलंकार है?**
   उत्तर- उपमा अलंकार।
5. **राधा पवन से पृथ्वी पर पड़ी हुई लता को क्या करने के लिए कहती हैं?**
   उत्तर- राधा पवन से पृथ्वी पर पड़ी हुई को श्रीकृष्ण के पाँव के पास गिरा देने को कहती है।
6. **सूखी लता से राधा कृष्ण को क्या संदेश देना चाहती है?**
   उत्तर- सूखी लता से राधा कृष्ण को यह संदेश देना चाहती है कि मैं प्रेम से रहित होकर किस प्रकार दिन ही सूखती तथा मलिन होती जा रही हूँ।
7. **पीले पत्ते को श्रीकृष्ण के सामने लाने से राधा का क्या अभिप्राय है?**
   उत्तर- पीले पत्ते को श्रीकृष्ण के सामने लाने से राधा का अभिप्राय यह है कि मैं भी प्रोषितपतिका नायिका के समान पीली पड़ती जा रही हूँ।
8. **उपर्युक्त पद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।**

www.gyansindhuclasses.com
www.gyansindhuclasses.com

उत्तर- रेखांकित अंश की व्याख्या - राधा कहती है कि हे पवन! यदि किसी नए वृक्ष का कोई पत्ता पीला पड़ गया हो तो उसे प्रिय के सामने धीरे से रख देना और उन्हें बताना कि उसी प्रकार मैं (राधा) भी प्रोषित पतिका नायिका के समान पीली पड़ती जा रही हूँ।

9. **पाठ का शीर्षक तथा रचयिता के नाम का उल्लेख कीजिए।**

उत्तर- प्रस्तुत पाठ का शीर्षक **'पवन-दूतिका'** और इसके रचनाकार (कवि) **अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'** हैं।

10. **उपर्युक्त उद्धरणों में व्यक्त रस का नाम लिखकर उसके स्थायी भाव का उल्लेख कीजिए।**

उत्तर- प्रस्तुत उद्धरण में 'वियोग श्रृंगार रस है तथा इसका स्थायी भाव 'रति' है।

11. **'प्रोषिता-सा' में कौन-सा अलंकार है?**

उत्तर- 'प्रोषिता सा' में 'उपमा' अलंकार है।

www.gyansindhuclasses.com

12. **राधा सूखी और मलिन लतिका के माध्यम से पवन-दूतिका के द्वारा क्या संदेश दिलाना चाहती है?**

उत्तर- राधा सूखी और मलिन लतिका के माध्यम से पवन-दूतिका के द्वारा यह संदेश देना चाहती है कि राधा भी आपके वियोग में सूखती और मलिन होती जा रही है।

(9) मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्रवाले।
जाके आए न मधुबन से औ न भेजा सँदेसा।।
मैं रो रो के प्रिय-विरह से बावली हो रही हूँ।
जा के मेरी सब दुःख कथा श्याम को तू सुना दे।

1. **राधा किसके द्वारा कृष्ण को सन्देश भिजवाती है?**

उत्तर- पवन के द्वारा।

2. **राधा की मनोदशा का वर्णन कीजिए।**

उत्तर- राधा प्रिय वियोग में रो-रो के बावली हो गयी है।

3. **उपर्युक्त पंक्तियों में कौन सा रस है?**

उत्तर- वियोग श्रृंगार रस

4. **जलद और कंज का अर्थ लिखिए।**

जलद- बादल, **कंज**- कमल

5. **रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।**

वीडियो में.....

www.gyansindhuclasses.com